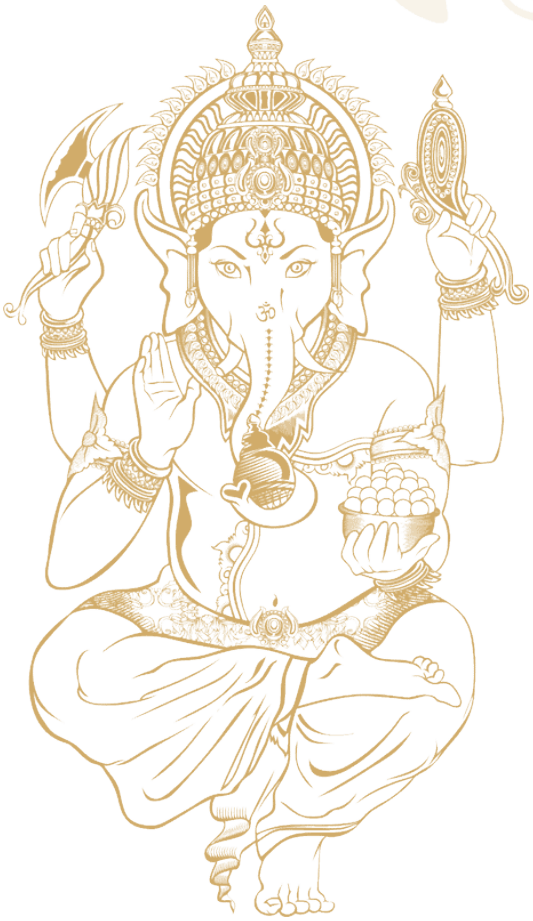

30 Dec 2025

02:35 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120926804

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**29-30/12/2025**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**02:35:00 घंटे**
इष्ट	48:24:08 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:13:52 घंटे
वेलान्तर	-00:02:02 घंटे
साम्पातिक काल	08:48:09 घंटे
सूर्योदय	07:13:20 घंटे
सूर्यास्त	17:33:22 घंटे
दिनमान	10:20:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:11:08 धनु
लग्न के अंश	12:28:01 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शिव
करण	गर
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लक्ष्मी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:28:01	310:00:23	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			धनु	14:11:08	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मेष	11:14:07	14:24:35	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	धनु	16:50:32	00:45:54	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
बुध			धनु	01:12:27	01:30:46	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	27:24:39	00:07:42	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	12:18:56	01:15:30	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
शनि			मीन	01:49:32	00:03:18	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:58:39	00:04:29	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:58:39	00:04:29	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:47:15	00:01:44	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:15:36	00:00:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:26:00	00:01:47	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	15:22:34	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:18

लग्न-चलित

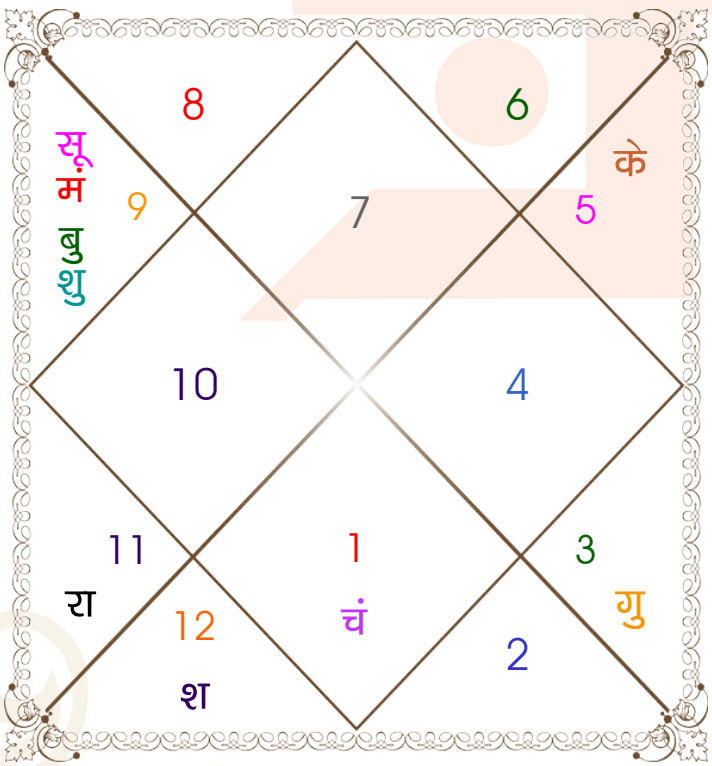

चन्द्र कुंडली

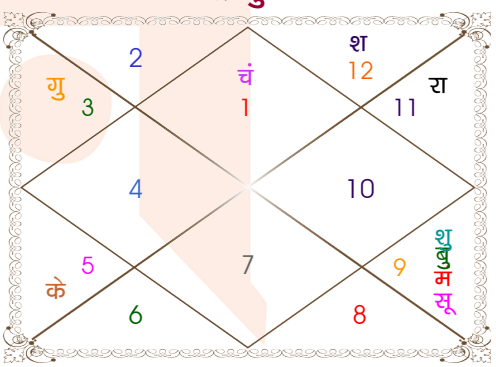

नवमांश कुंडली

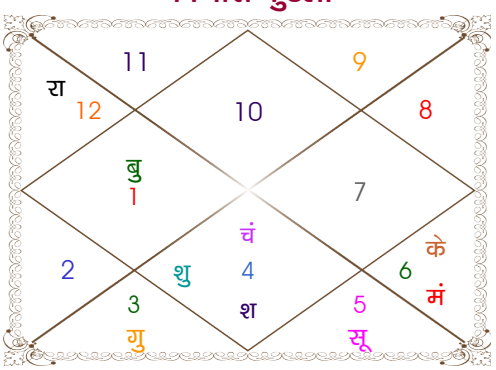

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 1 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/12/2025		05/02/2027		05/02/2047		04/02/2053		05/02/2063	
05/02/2027		05/02/2047		04/02/2053		05/02/2063		05/02/2070	
	00/00/0000	शुक्र	06/06/2030	सूर्य	25/05/2047	चंद्र	06/12/2053	मंगल	04/07/2063
	00/00/0000	सूर्य	07/06/2031	चंद्र	24/11/2047	मंगल	07/07/2054	राहु	22/07/2064
	00/00/0000	चंद्र	04/02/2033	मंगल	31/03/2048	राहु	06/01/2056	गुरु	27/06/2065
	00/00/0000	मंगल	07/04/2034	राहु	23/02/2049	गुरु	07/05/2057	शनि	06/08/2066
	00/00/0000	राहु	06/04/2037	गुरु	12/12/2049	शनि	06/12/2058	बुध	03/08/2067
	00/00/0000	गुरु	06/12/2039	शनि	24/11/2050	बुध	06/05/2060	केतु	31/12/2067
	30/12/2025	शनि	05/02/2043	बुध	30/09/2051	केतु	06/12/2060	शुक्र	01/03/2069
शनि	08/02/2026	बुध	06/12/2045	केतु	05/02/2052	शुक्र	06/08/2062	सूर्य	07/07/2069
बुध	05/02/2027	केतु	05/02/2047	शुक्र	04/02/2053	सूर्य	05/02/2063	चंद्र	05/02/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/02/2070		05/02/2088		06/02/2104		06/02/2123		06/02/2140	
05/02/2088		06/02/2104		06/02/2123		06/02/2140		00/00/0000	
राहु	18/10/2072	गुरु	25/03/2090	शनि	09/02/2107	बुध	05/07/2125	केतु	04/07/2140
गुरु	13/03/2075	शनि	06/10/2092	बुध	19/10/2109	केतु	02/07/2126	शुक्र	03/09/2141
शनि	17/01/2078	बुध	12/01/2095	केतु	28/11/2110	शुक्र	02/05/2129	सूर्य	09/01/2142
बुध	06/08/2080	केतु	18/12/2095	शुक्र	28/01/2114	सूर्य	08/03/2130	चंद्र	10/08/2142
केतु	24/08/2081	शुक्र	18/08/2098	सूर्य	10/01/2115	चंद्र	08/08/2131	मंगल	06/01/2143
शुक्र	24/08/2084	सूर्य	07/06/2099	चंद्र	10/08/2116	मंगल	04/08/2132	राहु	25/01/2144
सूर्य	19/07/2085	चंद्र	07/10/2100	मंगल	19/09/2117	राहु	21/02/2135	गुरु	31/12/2144
चंद्र	18/01/2087	मंगल	13/09/2101	राहु	26/07/2120	गुरु	29/05/2137	शनि	31/12/2145
मंगल	05/02/2088	राहु	06/02/2104	गुरु	06/02/2123	शनि	06/02/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 1 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।